>

Title: Alleged failure of the Department of Meteorology in issuing advance warning about the recent cyclone 'Fiyan' resulting in loss of lives and properties in Goa.

**श्री श्रीपाद येसो नाईक (उत्तर गोवा):** सभापति महोदया, मैं सदन में एक महत्वपूर्ण मुद्दा उठाना चाहता हूं। 11 नवम्बर, 2009 की रात गोवा के लोगों के लिए काली रात थी। उस रात को गोवा में तूफान आया, उसका नाम फ़यान था। उस तूफ़ान ने गोवा से लेकर महाराष्ट्र और गुजरात को हिट कर दिया। उस तूफ़ान ने सैंकड़ों लोगों की जान ले ली।

सभापति महोदया, तूफ़ान कोई अकस्मात नहीं आता है। उसकी सूचना सेंट्रल गवर्नमेंट के मौसम विभाग को पहले ही मिलती है, लेकिन दुर्भाग्य से मौसम विभाग की लापरवाही के कारण यह सूचना समय पर मछुआरों को नहीं दी गई। इस कारण सभी मछुआरे मछुआरी करने के लिए अपने-अपने ट्रॉलर लेकर समुद्र में चले गए। उस रात जब तूफ़ान आया तो गोवा के कम से कम छ बड़े ट्रॉलर डूब गए, उसमें 34 लोगों की डूबने से मृत्यु हो गई। महाराष्ट्र में कम से कम सौ लोग इस तूफ़ान में मर गए।

सभापति महोदया, मैं आपके माध्यम से सरकार को सूचित करता हूं कि वहां का जो मौसम विभाग है, उसकी लापरवाही के कारण जो इतनी मौतें हुई हैं, उसके लिए कोई कार्यवाही होनी चाहिए। अगर ऐसा बार-बार हो गया तो मछुआरों के लिए अन्य क्या बचेगा। इसलिए मैं मांग करता हूं कि इसके ऊपर कार्यवाही करें, इन लोगों का जो नुकसान हुआ है, उसके लिए केन्द्र सरकार की तरफ से इन्हें मदद दी जाए। धन्यवाद।